



दक्षिण भारत राष्ट्रमाला

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮಾಲಾ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | ಬೆಂಗಳೂರು और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



4 युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही केंद्र सरकार : पायलट

6 गोलीबारी के बीच अडिग रहकर दो आतंकवादियों को किया डेर

7 जैकलीन फर्नांडिस का एआई अवतार लॉन्च

फर्स्ट टेक

गोदावरी नदी में डूबने से पांच लोगों की मौत

गुन्मा कोथागुडेम/भाषा। आंध्र प्रदेश के पोलावरम जिले में शनिवार को गोदावरी नदी में मछली पकड़ने के दौरान तीन महिलाओं और दो पुरुषों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पोलावरम जिले के प्रभारी पुलिस अधीक्षक अमित बरदार ने बताया कि यह हादसा सुबह करीब 10 बजे एटापाका प्रशासनिक क्षेत्र में हुआ। बरदार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "गुन्मा कोथागुडेम गांव में गोदावरी नदी में पांच लोग- तीन महिलाएं और दो पुरुष डूब गए।" उन्होंने बताया कि यह दुर्घटना उस समय हुई जब वे मछली पकड़ते हुए नदी के गहरे पानी में पहुंच गए। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक, 10 लोगों का एक समूह नदी में मछली पकड़ने गया था, जिनमें से पांच लोग डूब गए। उन्होंने बताया कि नदी में उतरकर यह समूह एक-दूसरे का हाथ पकड़कर और कपड़ों व मच्छरदानियों की मदद से मछली पकड़ रहा था।

केंद्र को वांगचुक से बातचीत करनी चाहिए : अन्ना हजारे

मुंबई/भाषा। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने शनिवार को कहा कि केंद्र सरकार को शिक्षाविद सोनम वांगचुक से बातचीत करनी चाहिए। हजारे ने एक वीडियो संदेश में कहा, "सरकार को उनके सब की परीक्षा नहीं लेनी चाहिए। (उनकी मांगों को लेकर) हां कहें या न, लेकिन बातचीत करने में क्या हर्ज है?" वांगचुक राष्ट्रीय यात्रा सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मप्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

बिरला ने शिवसेना (उबाठा) के बागी गुट के शिवसेना में विलय को मंजूरी दी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शनिवार को

शिवसेना (उबाठा) के छह बागी सांसदों के महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में विलय को मंजूरी दे दी।

साथ ही, एक कम चर्चित राजनीतिक दल नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में शामिल हुए तुणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों के लिए लोकसभा में अलग बैठने की व्यवस्था को भी स्वीकृति प्रदान की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, इन छह सांसदों के विलय के बाद लोकसभा में शिवसेना के सांसदों की संख्या सात से बढ़कर 13 हो गई है। सूत्रों ने बताया कि तुणमूल के 20 बागी सांसद सदन में अपनी मूल पार्टी से अलग बैठेंगे। इन बागी सांसदों की इस मांग पर अभी कोई स्पष्टता नहीं है कि उन्हें एनसीपीआई के सांसदों के रूप में आधिकारिक मान्यता दी जाए।



आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र में 'मिशन आगमन' के तहत विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण के बाद रक्षाईल्ट एयरोस्पेस के सह-संस्थापक एवं सीईओ पवन कुमार चंदना और सह-संस्थापक एवं सीओओ नागा भरत डाका को सम्मानित करते इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन।



पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा का निधन

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा की पत्नी चेन्नम्मा देवेगौड़ा का शनिवार को यहां एक निजी अस्पताल में हृदयाघात के बाद निधन हो गया। वह 80 वर्ष से अधिक उम्र की थीं। अस्पताल अधिकारियों के अनुसार, उन्हें बुधवार रात शहर के ओल्ड एयरपोर्ट रोड स्थित मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनका श्वास संबंधी बीमारी का इलाज किया जा रहा था। अस्पताल ने एक बयान में कहा, हमें यह बताते हुए दुख हो रहा है कि आज शाम चार बजे, ठीक होने की संभावना के बावजूद श्रीमती चेन्नम्मा को गंभीर हृदयाघात हुआ।

देवेगौड़ा, उनके बेटे और केंद्रीय मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी तथा परिवार के अन्य सदस्य अस्पताल में मौजूद थे। चेन्नम्मा फरवरी 2001 में हुए तेजाब हमले से बच गई थीं। बताया गया था कि यह हमला पारिवारिक विवाद से जुड़ा था।

ईरान ने कुवैत पर फिर किया हमला

दुबई/एपी। कुवैत के जल एवं बिजली मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि ईरान ने देश के एक जल विलवणीकरण और बिजली उत्पादन संयंत्र पर हमला किया, जिससे वहां आग लग गई। पिछले दो दिनों में यह दूसरी बार है जब ईरान ने खाड़ी देश कुवैत के जल विलवणीकरण से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया है। कुवैती अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को भी ईरान ने एक अन्य बिजली और जल विलवणीकरण संयंत्र पर हमला किया।

विक्रम-1 की सफलता भारत की अंतरिक्ष यात्रा का निर्णायक क्षण : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमाला
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत में निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले 'ऑर्बिटल' रॉकेट 'विक्रम-1' के प्रक्षेपण का नेतृत्व करने वाली रक्षाईल्ट एयरोस्पेस' की टीम से शनिवार को बातचीत की और इसे भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक निर्णायक क्षण बताया। प्रधानमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत के निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी नये आयाम खोल रही है और नवाचार को गति दे रही है। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा, रक्षाईल्ट

एयरोस्पेस की टीम से बात की और 'विक्रम-1' के सफल प्रक्षेपण पर उन्हें बधाई दी। यह भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक निर्णायक क्षण है। उन्होंने कहा, यह उपलब्धि अनगिनत युवाओं को बड़े सपने देखने और निडर होकर नवाचार करने के लिए प्रेरित करेगी। भारत में निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले 'ऑर्बिटल' रॉकेट 'विक्रम-1' ने शनिवार को प्रधानमंत्री मोदी के पोस्टकार्ड सहित अनेक प्रौद्योगिकी उपकरण को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित किया। 'ऑर्बिटल' रॉकेट को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि यह उपग्रह की रफ्तार को इतना बढ़ा दे कि अंतरिक्ष में पहुंचने के बाद वापस नीचे गिरने के बजाय पृथ्वी की कक्षा (ऑर्बिट) में बना रहे। 'मिशन आगमन' नामक यह

अभियान भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के 'ऑर्बिटल' प्रक्षेपण बाजार में प्रवेश का प्रतीक है, जिसका नेतृत्व 'रक्षाईल्ट एयरोस्पेस' ने किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री ने इस पहल को भारत की अंतरिक्ष यात्रा के लिए एक ऐतिहासिक नया अध्याय करार दिया। उन्होंने कहा कि चार घण्टों वाला यह रॉकेट त्वरित और मांग के अनुरूप प्रक्षेपण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए तैयार किया गया है। मोदी ने कहा कि यह मिशन भारत के युवाओं की प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और उद्यमशीलता की भावना को दर्शाता है तथा यह दर्शाता है कि भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में किए गए सुधार नवाचार और उद्यम के लिए नये अवसर खोल रहे हैं।

इस बारिश, आइए जुड़ें

कैच द रेन
अभियान से,
लें जल संचय का संकल्प

...क्योंकि जल है तो हम हैं

हमें क्या करना है

हर घर, सोसायटी, वर्कप्लेस पर रेन वॉटर हार्वेस्टिंग तकनीक अपनाएं।

सही जगह चुनकर रिचार्ज पिट व शाफ्ट बनवाएं और अनुपयोगी बोरवेलों को ठीक कराकर ग्राउंड वॉटर रिचार्ज होने में मदद करें।

बावड़ियों, कुओं व पारंपरिक जल संरचनाओं को संवारें और इस्तेमाल के लायक बनाएं।

मानसून के जल का अधिकतम संचयन हो, इसलिए आसपास के तालाबों, जलाशयों से गाद निकालकर जलधारण क्षमता बढ़ाएँ।

जलग्रहण क्षेत्रों में अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ग्रीन कवर को बढ़ावा दें।

“कैच द रेन - इस अभियान के तहत बारिश के पानी की एक-एक बूंद को हमें मिलकर बचाना है। मेरा खास आग्रह है कि वर्षा का बूंद-बूंद पानी हम सब मिलकर बचाएँ।”

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी



19-07-2026 | सूर्योदय 6:49 बजे | सूर्यास्त 6:04 बजे

BSE 78,151.45 (+964.58) | NSE 24,334.30 (+261.55)

सोना 14,758 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम | चांदी 227,200 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमाला

दक्षिण भारत का साप्ताहिक हिन्दी पत्रिका
epaper.dakshinbharat.com

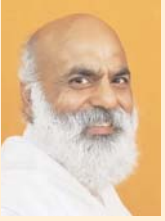


कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सब होपचोप

बेरोजगार बढ़ रहे आज, धंधे होने लग गए तोप। सेंसेक्स पड़ा घुटनों के बल, मंहगाई दिखला रही कोप। हो रहे तमंचे बिगमन तोप, जिनको कहते थे कभी तोप। बेगाने से बाज़ार हुए, जनता भी दिखती होपचोप।।

सहज स्मृति योग



ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं gururaji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाट्स अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरुजी, आप कहते हैं कि हम में निर्णय टालने की प्रवृति नहीं होनी चाहिए। सदैव निर्णय लेते रहना चाहिए, ऐसा क्यों? मानव जीवन का सबसे बड़ा निर्णय कौन सा है ?

उत्तर: निर्णय और न्याय परस्पर जुड़े हुए हैं। सतत निर्णय लेते रहने से विवेक बना रहता है। विवेक किसी के साथ अन्याय नहीं करता क्योंकि, अन्याय करने पर विवेक या चरित्र स्वयं ही नष्ट हो जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि समाज में किसी न किसी व्यक्ति के विवेक या चरित्र के भ्रष्ट हुए बिना समाज में किसी के प्रति अन्याय होना सम्भव ही नहीं है।इसलिए कभी भी देर तक अनिर्णय या संशय की स्थिति में नहीं रहना चाहिए। मानव जीवन का सबसे बड़ा/गुरुतम निर्णय परमात्म-अस्तित्व का यथार्थ स्वीकार करना है। जिस जीवन में यह निर्णय घटित हो जाता है वह जीवन धन्य हो जाता है।

विड़िण्गम बंदरगाह 18 अगस्त से शुरू होगा पूर्ण निर्यात-आयात परिचालन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनं त प्प र म / भाषा । विड़िण्गम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह से 18 अगस्त से पूर्ण निर्यात-आयात परिचालन शुरू हो जाएगा। केरल सरकार ने शनिवार को यह जानकारी दी। परिचालन शुरू होने के साथ ही यह केवल माल पुनः लदान केंद्र से बदलकर एक पूर्ण अंतरराष्ट्रीय माल ढुलाई केंद्र बन जाएगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री पी. डी. सतीशन पहले निर्यात कंटेनर को रवाना करेंगे। इसके बाद राज्य सरकार 'मिशन समुद्र' व्यापार शिखर सम्मेलन का आयोजन करेगी।

विड़िण्गम बंदरगाह का नाम ओमन चांडी के नाम पर रखा जाए : के सी वेणुगोपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com



कोट्टायम (केरल)/भाषा। कांग्रेस महासचिव के सी वेणुगोपाल ने शनिवार को केरल सरकार से विड़िण्गम अंतरराष्ट्रीय बंदरगाह का नाम पूर्व मुख्यमंत्री ओमन चांडी के नाम पर रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि यह महत्वाकांक्षी बंदरगाह परियोजना दिवंगत कांग्रेस नेता की दूरगामी सोच का ही परिणाम है। चांडी की पुण्यतिथि के अवसर पर यहां पुष्पपल्ली में आयोजित एक स्मृति सभा को संबोधित करते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि राज्य सरकार को तुरंत इस बंदरगाह का नाम पूर्व मुख्यमंत्री के नाम पर रखने के लिए कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर विड़िण्गम बंदरगाह को कोई नाम दिया जाना है, तो वह कोई और नाम नहीं हो सकता। वह सिर्फ ओमन चांडी का नाम होना चाहिए।"

वेणुगोपाल ने यह भी कहा

कि चांडी की याद में बनाए जाने वाले स्मारक सिर्फ इमारतों और स्मारकों तक ही सीमित नहीं रहने चाहिए। उन्होंने कहा, "इसे सिर्फ भवनों और किताबों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए। सरकार को ऐसे संस्थानों और स्मारकों का निर्माण करना चाहिए जो आने वाली पीढ़ियों को ओमन चांडी के जीवन और उनके योगदान का अध्ययन करने, शोध करने और उसे समझने में मदद कर सकें।" चांडी के बेटे और पुष्पपल्ली से विधायक चांडी ओमन का जिक्र करते हुए वेणुगोपाल ने उन्हें दिवंगत नेता का सच्चा राजनीतिक उत्तराधिकारी बताया।

टेल इंजीनियरिंग ने मध्य प्रदेश में 12 किलोमीटर लंबी सिंचाई सुरंग परियोजना में सफलता हासिल की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। पटेल इंजीनियरिंग ने शनिवार को घोषणा की कि उसने मध्य प्रदेश में 1,600 करोड़ रुपये की लागत से बन रही 12 किलोमीटर लंबी भारत की 'सबसे लंबी' सिंचाई सुरंग परियोजना में सफलता हासिल कर ली है। सुरंग बनाने के काम में, कामयाबी का मतलब उस पल से है जब दोनों तरफ से खुदाई का काम कर रही टीमों एक तय बिंदु पर मिलती हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा कि भारत की सबसे लंबी सिंचाई सुरंग परियोजना में यह कामयाबी कई भूवैज्ञानिक और जल-संबंधी चुनौतियों से पार पाने के बाद मिली है। बारह किलोमीटर लंबी यह सुरंग, रत्नीमानाबाद कैरियर नहर परियोजना का हिस्सा है। यह

रत्नीमानाबाद (तहली गांव) से शुरू होती है और खिरानी गांव तक जाती है। यह नहर परियोजना पूरी होने के बाद मध्य प्रदेश में लगभग 2,45,000 हेक्टेयर क्षेत्र की सिंचाई करेगी। साथ ही जबलपुर और कटनी को रोजाना 28.4 करोड़ लीटर घरेलू और औद्योगिक पानी भी आपूर्ति करेगी। रत्नीमानाबाद कैरियर नहर, नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही 'बरगी डायवर्जन' परियोजना का हिस्सा है। पटेल इंजीनियरिंग ने कहा कि इस सुरंग को बनाने के लिए भारत के सिंचाई बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सबसे मुश्किल भूवैज्ञानिक स्थितियों का सामना करना पड़ा। कंपनी की प्रबंध निदेशक, कविता शिरवर्द्धकर ने कहा, यह कामयाबी एक गर्व का पल है और मध्य प्रदेश में सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है।

देश के पहले निजी कक्षीय रॉकेट ने तकनीकी पेलोड को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश)/भाषा। भारत में निजी क्षेत्र द्वारा विकसित पहले कक्षीय 'रॉकेट विक्रम-1' ने शनिवार को कई तकनीकी पेलोड और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पोस्टकार्ड सहित विभिन्न पोस्टकार्ड को सफलतापूर्वक पृथ्वी की निचली कक्षा में पहुंचा दिया। प्रधानमंत्री ने इस मिशन को भारत की अंतरिक्ष यात्रा का एक निर्णायक क्षण'' बताया। 'मिशन आगमन' नाम से संचालित इस मिशन के साथ भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र ने पहली बार उपग्रहों को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने वाले वैश्विक बाजार में औपचारिक रूप से प्रवेश कर लिया। इस मिशन का संचालन हैदराबाद आधारित निजी कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस' ने किया। कंपनी ने इस मिशन को "बड़ी सफलता" करार दिया।

अपने पहले अभियान में चार चरणों वाला और सात मंजिला इमारत जितना ऊंचा 'विक्रम-1' रॉकेट शनिवार को बादलों से घिरे मौसम के बीच दोपहर 12 बजकर पांच मिनट पर इसरो के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले प्रक्षेपण परिसर से सफलतापूर्वक रवाना हुआ। प्रक्षेपण के दौरान रॉकेट से नारंगी रंग का धुआं निकला और इस अंतरिक्ष केंद्र से



एक नए युग की शुरुआत हुई। इससे पहले दिशा-निर्देशन प्रणाली से जुड़ी संभावित समस्या के कारण प्रक्षेपण को "अस्थायी रूप से रोक" दिया गया था, जिसके कारण प्रक्षेपण निर्धारित समय पूर्वाह्न 11:30 बजे के बजाय 12 बजकर पांच मिनट पर किया गया। उड़ान भरने के बाद ग्राहा स्पेस, कॉसमोसर्व, डीक्यूड और स्काईरूट के 'स्कोप' के तकनीकी परीक्षण के लिए तैयार छोटे उपग्रहों और उपकरणों को क्रमवार 450 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी की निचली कक्षा (एलईओ) में स्थापित किया गया।

रॉकेट ने एक सूक्ष्म कलाकृति, 18

कैरेट सोने से बना एक सूक्ष्म रॉकेट, तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हाथों से लिखा वंदे मातरम'' संदेश वाला पोस्टकार्ड भी सफलतापूर्वक कक्षा में पहुंचाया। इसके साथ ही इंजीनियरों, वैज्ञानिकों और भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों के पोस्टकार्ड भी भेजे गए। कंपनी ने बताया कि इस सूक्ष्म कलाकृति पेलोड में भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के अग्रणी वैज्ञानिक डॉ. विक्रम साराभाई, वैज्ञानिक सर सी. वी. रमन और पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम की सूक्ष्म प्रतिमाएं शामिल हैं। इन्हें भारत की वैज्ञानिक और अंतरिक्ष यात्रा को दिशा देने वाली तीन दूरदर्शी हरितियों के प्रति "सम्मान" के

रूप में तैयार किया गया। कंपनी ने कहा, "स्काईरूट ने गर्व के साथ अपने रॉकेटों और इंजनों का नाम इन्हीं महान विभूतियों के नाम पर रखा है।" प्रधानमंत्री मोदी ने इस सफल प्रक्षेपण की सराहना करते हुए कहा कि इससे देश के आत्मनिर्भरता अभियान को नई मजबूती मिली है।

प्रधानमंत्री ने शनिवार को इस उपलब्धि के बाद स्काईरूट एयरोस्पेस से मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एवं संस्थापक पवन कुमार चांदना तथा सह-संस्थापक नागा भरत डाका से टेलीफोन पर बात कर उन्हें और उनकी कंपनी को बधाई दी। प्रक्षेपण के दौरान दोनों वरिष्ठ

अधिकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मिशन नियंत्रण केंद्र (एमसीसी) में मौजूद थे। इसरो के अध्यक्ष वी. नारायणन ने देश में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र खोलने का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को दिया। उन्होंने कहा, "2020 में अंतरिक्ष क्षेत्र में सुधारों की घोषणा की गई थी। आज, मात्र छह वर्षों के भीतर एक स्टार्टअप कंपनी ने अपने पहले ही प्रयास में उपग्रह को सफलतापूर्वक कक्षा में स्थापित कर दिया। यह वास्तव में अत्यंत गर्व और संतोष का क्षण है।" नारायणन ने स्काईरूट एयरोस्पेस की युवा टीम की सराहना की।

स्काईरूट एयरोस्पेस के दोनों संस्थापक चांदना और डाका इसरो के पूर्व वैज्ञानिक हैं। प्रक्षेपण के दौरान दोनों इसरो प्रमुख वी. नारायणन के साथ इसरो के मिशन नियंत्रण केंद्र (एमसीसी) में मौजूद थे।

इसरो के पूर्व अध्यक्षों, भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला तथा आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश ने भी एमसीसी से इस प्रक्षेपण को देखा। यह ऐतिहासिक उपलब्धि तेजी से बढ़ रहे वैश्विक लघु उपग्रह प्रक्षेपण बाजार में भारत की स्थिति को और मजबूत करने तथा इसरो के साथ-साथ अंतरिक्ष क्षेत्र में देश की उपस्थिति का विस्तार करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

महिला को निर्वस्त्र करने के आरोप में तेदेपा नेता समेत नौ गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुंटूर/भाषा। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में 10,000 रुपये की कथित रिश्त नहीं मिलने पर एक महिला को निर्वस्त्र करने और उसके परिवार पर हमला करने के आरोप में सत्तारूढ़ तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) के एक नेता और उसके परिवार के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी मल्लेला वेंकट रमण मूर्ति (45) गुंटूर शहर के नागरपालेम क्षेत्र में तेदेपा से संबद्ध वार्ड सचिव हैं। पुलिस के अनुसार, मूर्ति ने 15 जुलाई को स्थानीय निवासी नागेश्वर राव से 10,000 रुपये की रिश्त मांगी थी। राव द्वारा रकम देने से इनकार करने पर उसकी पत्नी पर हमला किया गया।

अधिकारी ने "पीटीआई-भाषा" से कहा,

आरोपी मूर्ति और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज कर शुक्रवार रात उन्हें घर के अंदर ले गया। उसी दिन रात करीब आठ बजे मूर्ति अपने आठ रिश्तेदारों के साथ लौटा और राव तथा उसके परिवार पर हमला कर दिया। इस दौरान उसने राव की पत्नी के कथित तौर पर कपड़े भी उतार दिए। घटना के बाद राव के परिवार ने 16 जुलाई को शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। इस बीच, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि वह गुंटूर की इस घटना से बेहद व्यथित हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, किसी भी महिला का अपमान पूरी तरह अस्वीकार्य है और हमारे समाज में इस तरह के कृत्य का कोई स्थान नहीं है। मैंने तत्काल और कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। आरोपी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले में शामिल पार्टी पदाधिकारी को निलंबित किया जा रहा है।

नायडू ने कहा, मेरी सरकार कानून का निष्पक्ष और सख्ती से पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। किसी भी व्यक्ति को उसकी राजनीतिक संबद्धता के आधार पर संरक्षण नहीं मिलेगा। आंध्र प्रदेश की हर महिला को यह भरोसा होना चाहिए कि उसकी गरिमा और सुरक्षा की रक्षा हमेशा की जाएगी। सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि उन्होंने संबंधित तेदेपा पदाधिकारी मूर्ति को पार्टी के सभी पदों से निलंबित करने के निर्देश दिए हैं।

कॉजपा संस्थापक दीपक ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की, 20 जुलाई को संसद मार्च पर अडिग

नई दिल्ली/भाषा। कॉंग्रेस जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपक ने शनिवार को सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को अस्पताल में भर्ती कराए जाने के बाद अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। दिल्ली पुलिस ने जेल-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को शनिवार सुबह उनके अनशवास के 21वें दिन तबीयत बिगड़ने के बाद सफरदरज अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस की इस कार्रवाई के बाद युवाओं के नेतृत्व वाले संगठन कॉजपा ने अपना आंदोलन तेज कर दिया। संगठन ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए 20 जुलाई को प्रस्तावित संसद मार्च को हर हाल में आयोजित करने का संकल्प दोहराया।

पुराने विचारों वाला हूं, प्रोटोकॉल में विश्वास रखता हूं: मोदी से मुलाकात पर चर्चा के बीच तिवारी

नई दिल्ली/भाषा। चंडीगढ़ में एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से अपनी संक्षिप्त बातचीत को लेकर जारी चर्चाओं के बीच कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने शनिवार को कहा कि वह प्रतिक्रिया देते हुए मनीष तिवारी ने कहा, अब भी "थोड़े पुराने विचारों वाले" हैं और प्रोटोकॉल में विश्वास रखते हैं, साथ ही उनका मानना ​​है कि विकास के मुद्दों को दलगत राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। तिवारी का यह बयान प्रधानमंत्री मोदी के साथ चंडीगढ़ में एक आधिकारिक कार्यक्रम के बाद हुई उनकी मुलाकात को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू होने के बाद आया। प्रधानमंत्री मोदी ने चंडीगढ़ में 4,700 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मनीष तिवारी चंडीगढ़ से ही सांसद हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क ढांचे से जुड़ी कई परियोजनाओं का उद्घाटन और

शिलान्यास करके के बाद पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज, चंडीगढ़ में एक सभा को संबोधित किया था। प्रधानमंत्री मोदी से अपनी मुलाकात को लेकर हो रही चर्चाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए मनीष तिवारी ने कहा, मैंने हमेशा यह प्रयास किया है कि विकास की जरूरतों को दलगत राजनीति से ऊपर रखा जाए। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, 24 अगस्त 2022 को श्री आनंदपुर साहिब के सांसद के रूप में भेरे कार्यक्रम के दौरान जब प्रधानमंत्री न्यू चंडीगढ़ में डॉ. होमी भाभा केंसर अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (टाटा मेमोरियल सेंटर) का उद्घाटन करने आए थे, तब भी मैं कार्यक्रम में मौजूद था। आज यह टाटा मेमोरियल सेंटर पूरे क्षेत्र के हजारों कैंसर मरीजों के लिए जीवनरक्षक बन चुका है।

तिवारी ने कहा, "17 जुलाई 2026 को जब प्रधानमंत्री ने फिर से चंडीगढ़ और मेरे पूर्व संसदीय क्षेत्र श्री आनंदपुर साहिब में कई विकास

परियोजनाओं का उद्घाटन किया, तब भी मैं मौजूद था, क्योंकि ये परियोजनाएं उन लोगों की जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेंगी, जिनकी सेवा के लिए हमें चुना गया है।" मनीष तिवारी ने कहा कि पिछले 45 वर्षों से राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में उन्होंने देखा है कि देश की राजनीति धीरे-धीरे किस तरह कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि राजनीति अब अधिक कटु और विषैली होती जा रही है, जहां राजनीतिक विरोधियों को अब दुश्मन की तरह देखा जाने लगा है। उन्होंने कहा कि दिल्ली आज इस बिगड़ी हुई राजनीति का उदाहरण बन गई है। तिवारी ने कहा, "हालांकि, मैं अब भी थोड़ा पुराने विचारों वाला हूं, जो कुछ बुनियादी शिक्षाचार और प्रोटोकॉल के सिद्धांतों में विश्वास रखता है और सबसे ऊपर विकास की जरूरतों को दलगत राजनीति से ऊपर रखता है। यही मेरी पहचान है, चाहे कोई भेरे बारे में कुछ भी सोचे।"

दहेज हत्या मामले में 2018 से फरार सास और देवर गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उत्तरी दिल्ली में कथित तौर पर दहेज के लिए महिला की हत्या के मामले में पुलिस ने दिल्ली और हरियाणा में एक साथ छापेमारी कर महिला की सास और देवर को गिरफ्तार किया, जो 2018 से फरार थे। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि के खिलाफ स्वरूप नगर थाने में हत्या, दहेज हत्या और क्रूरता से संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज था। अपराध शाखा के अनुसार, मामला जनवरी 2018 में एक महिला की मौत से जुड़ा है। शुरुआत में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498ए (क्रूरता), 304बी (दहेज हत्या) और 34 (साझा इरादा) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

महिला के परिवार का आरोप था कि उसने आत्महत्या नहीं की थी, बल्कि उसके ससुराल वालों ने गला घोटकर उसकी हत्या की थी। इसके बाद मामले में आईपीसी की धारा 302 (हत्या) भी जोड़ दी गई। पुलिस ने जांच के दौरान ही मृतका के पति और ससुर को गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि सास कंचन (52) और देवर जितन (31) अग्रिम जमानत याचिका खारिज होने के बाद वे फरार हो गए थे। उन्होंने दावा किया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए वे लगातार अपने ठिकाने बदलते रहे, दिल्ली स्थित अपने वैतुक घर नहीं गए और कई वर्षों तक छिपकर रहे।

मीराबाई, लवलीना राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारतीय ध्वजवाहक होगी

नई दिल्ली/भाषा। ओलंपिक पदक विजेता मीराबाई चानू और लवलीना बोरगोहन ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों के उद्घाटन समारोह में भारत की ध्वज और बैटन वाहक होंगी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने शनिवार को यह घोषणा की। कम खिलाड़ियों वाले इस बहु-खेल आयोजन का उद्घाटन समारोह 23 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। आईओए अध्यक्ष पीटी उषा ने एक बयान में कहा, यह गर्व का विषय है कि मीराबाई और लवलीना ओबीओ 'हाइड्रो' में यह जिम्मेदारी निभाएंगी। मैं दोनों खिलाड़ियों और पूरे भारतीय दल को शुभकामनाएं देती हूं।

उन्होंने कहा, "भारतीय टीम के उद्घाटन समारोह में दो महिला खिलाड़ियों को यह सम्मान मिलना गर्व की बात है। इससे खेलों के माहौल और दिशा की शुरुआत होगी। दोनों खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बार

भारत का मान बढ़ाया है। वे इस समय ब्रिटेन में खेलों की तैयारी में पूरी मेहनत कर रही हैं।" बत्तीस साल की होने जा रही मीराबाई चानू पिछले करीब एक दशक से भारत की प्रमुख भारोलेनिक रही हैं। उन्होंने 2021 तकवो ओलंपिक में महिलाओं की 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता था। इसके बाद 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक (2024) में वह अग्रिम पिछले प्रदर्शन को दोहराने नहीं सकीं, लेकिन ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में वह अब भी भारत के लिए पदक की सबसे बड़ी दावेदारी में शामिल हैं। वह विश्व सैंपियनशिप में भी कई पदक जीत चुकी हैं।

मुक़ेबाज लवलीना ने तकवो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। इसके बाद उन्होंने 2023 विश्व सैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में हांगझोउ में रजत पदक भी जीता था।

सत्यमेव जयते

भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय

राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन
के लिए

02 वरिष्ठ सलाहकार एवं 02 सलाहकार पदों पर नियुक्ति हेतु

वस्त्र मंत्रालय के राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के अंतर्गत निम्नलिखित 04 संविदात्मक पदों की पूर्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:

- वरिष्ठ सलाहकार (नवाचार एवं स्टार्ट-अप)
- वरिष्ठ सलाहकार (डेटा विश्लेषण)
- सलाहकार/विशेषज्ञ (वैज्ञानिक अनुसंधान)
- सलाहकार (कौशल विकास एवं प्रशिक्षण)

उपरोक्त पदों हेतु आवेदन जमा करने के लिए पात्रता, योग्यता, अनुभव, पारिश्रमिक, आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि आदि से संबंधित विस्तृत जानकारी वस्त्र मंत्रालय की वेबसाइटों www.texmin.gov.in एवं <https://ntm.texmin.gov.in> पर उपलब्ध हैं।

आवेदन की अंतिम तारीख : 24 जुलाई, 2026

जुलाई, 2026
वस्त्र मंत्रालय,
नई दिल्ली

CBC 41101/11/0005/2627



युवाओं की आवाज दबाने का प्रयास कर रही केंद्र सरकार : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने शनिवार को आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर जनता के बढ़ते आक्रोश के कारण केंद्र सरकार 'बैकफुट' पर और घबराई हुई है। उन्होंने दावा किया कि सरकार जवाबदेही तय करने के बजाय आंदोलनों को दबाने का प्रयास कर रही है। पायलट ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया

हुए कहा कि केंद्र सरकार ने संवाद और समाधान का रास्ता अपनाने के बजाय दमनात्मक कार्रवाई का मार्ग चुना है।

उन्होंने टोंक में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि अगर सरकार वास्तव में वांगचुक के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित थी तो उसे सबसे पहले उनकी मांगों पर बातचीत कर समाधान निकालना चाहिए था।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था, परीक्षा प्रणाली और प्रश्न पत्र लीक जैसे गंभीर मुद्दों पर देशभर के युवाओं में व्यापक आक्रोश है, लेकिन

सरकार जवाबदेही तय करने के बजाय आंदोलनों को दबाने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस विद्यार्थियों और युवाओं की आवाज लगातार उठाती रही है तथा प्रश्न पत्र लीक व शिक्षा व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं पर सरकार से जवाब मांग रही है।

पायलट ने राजस्थान में पंचायत, निकाय और छात्रसंघ चुनावों के मुद्दे पर आरोप लगाया कि राज्य सरकार लगातार बहाने बनाकर चुनाव टालने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, उच्च न्यायालय की फटकार के बावजूद

सरकार चुनाव कराने से बच रही है, क्योंकि उसे जनता के जनादेश का भय है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट ने इससे पहले टोंक सफ्टि हाउस में जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने जिले में जारी विकास कार्यों, पेयजल एवं बिजली आपूर्ति और आधारभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। पायलट ने अधिकारियों को लंबित विकास कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

जोधपुर के अस्पताल में महिला को गलत समूह का रक्त चढ़ाया, बिगड़ी सेहत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर के उम्मेद अस्पताल में 24 वर्षीय महिला को प्रसव के बाद कथित तौर पर गलत समूह का रक्त चढ़ा दिया गया और उसकी हालत बेहद गंभीर हो गई, हालांकि बाद में चिकित्सकों ने उसकी सेहत में सुधार की बात कही।

इस चूक के कारण तबीयत बिगड़ने पर मरीज धांपू भील को 13 जुलाई को महात्मा गांधी (एमजी) अस्पताल के आईसीयू में स्थानांतरित किया गया। जोधपुर जिले के डावरा बावड़ी गांव की निवासी धांपू ने 11 जुलाई को एक

बेटे को जन्म दिया था। खून की कमी और प्रसव के बाद की अन्य जटिलताओं के कारण, उन्हें उसी दिन उम्मेद अस्पताल रेफर किया गया था, जहां उन्हें उनके रक्त समूह 'ओ-पॉजिटिव' का खून चढ़ाया गया।

हालांकि, 12 जुलाई की रात को दूसरी बार खून चढ़ाने के दौरान उन्हें कथित तौर पर 'बी-पॉजिटिव' खून चढ़ा दिया गया। परिजनों के मुताबिक, खून चढ़ाने के तुरंत बाद धांपू को तेज कंपकंपी होने लगी और उनके 'यूरिन कलेक्शन बेग' में खून दिखाई दिया। इसके बाद उनकी हालत और बिगड़ती चली गई जिससे उनके गुर्दे

ने काम करना बंद कर दिया, पेशाब आना बंद हो गया और रक्तस्राव शुरू हो गया।

हालात गंभीर होने पर धांपू को एमजी अस्पताल भेजा गया, जहां उन्हें आईसीयू में भर्ती किया गया है। एमजी अस्पताल के अधीक्षक फतेह सिंह ने बताया कि गलत समूह का रक्त चढ़ने के कारण मरीज के गुर्दे पर गंभीर असर पड़ा है और पेशाब आना बंद हो गया था। उन्होंने कहा, मरीज का लगातार डायलिसिस किया जा रहा है और उनकी हालत में धीरे-धीरे सुधार हो रहा है। वह अभी गहन निगरानी में हैं।

धांपू के पति किशनराम का दावा है कि परिवार को यह बताया ही नहीं गया कि एमजी अस्पताल रेफर करने की नौबत गलत खून

चढ़ाने के कारण आई। अस्पताल के सूत्रों के अनुसार, यह चूक संभवतः इस वजह से हुई कि उम्मेद अस्पताल में भर्ती दो महिलाओं के नाम एक जैसे थे और उनके पतियों के नाम भी समान थे।

सूत्रों ने बताया कि इनमें से एक मरीज का रक्त समूह 'बी-पॉजिटिव' था, जिसके कारण खून चढ़ाने की प्रक्रिया के दौरान यह बड़ी गड़बड़ी हो गई। उम्मेद अस्पताल का संचालन करने वाले एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य भी. एस. जोधा ने कहा कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

राजस्थान के कई इलाकों में अगले हफ्ते फिर से बारिश का दौर शुरू होने की उम्मीद

जयपुर। राजस्थान में दक्षिण पश्चिम मानसून लगातार कमजोर बना हुआ है, हालांकि अगले हफ्ते इसके दूबारा जोर पकड़ने और कई इलाकों में बारिश की गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसके अनुसार राज्य के अधिकांश भागों में कमजोर मानसून परिस्थितियां अगले दो-तीन दिन जारी रहेंगी। हालांकि, पूर्वी राजस्थान के कोटा, भरतपुर, जयपुर संभाग के कुछ भागों में बारिश की गतिविधियों में 21 जुलाई से बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

वहीं 22-23 जुलाई से राज्य के पश्चिमी व मध्य भागों में भी बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने की संभावना है। जबकि 23 से 28 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान के जोधपुर-बीकानेर संभाग के कुछ भागों में भी बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी।

मदरसे में छात्राओं से सेपटी टैंक की सफाई कराना निंदनीय : बेदम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रदेश के गृह राज्यमंत्री जवाहरसिंह बेदम ने डींग जिले की पहाड़ी तहसील के मीलखेड़ा स्थित मदरसे में सेपटी टैंक की सफाई के दौरान हुए हादसे को अत्यंत गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि अध्ययनरत छात्राओं से इस प्रकार का कार्य कराना नियमों के विरुद्ध, निंदनीय और शर्मनाक है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि इस मामले में जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गृह राज्यमंत्री ने शनिवार को भरतपुर सफ्टि हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि घटना की सुचना मिलते ही प्रशासन ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। हादसे में एक बालिका की



मृत्यु अत्यंत दुःख और पीड़ादायक है। जबकि घायल छात्राओं का अलवर के अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अलवर जिला प्रशासन को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सरकार द्वारा दिए गए हैं तथा डींग जिला कलक्टर पूरे मामले की लगातार निगरानी कर रहे हैं।

बेदम ने कहा कि किसी भी शिक्षण संस्थान में अध्ययनरत

छात्राओं से सेपटी टैंक की सफाई जैसा जोखिमपूर्ण कार्य कराना गंभीर लापरवाही है। इस घटना पर संस्थान के संचालकों के साथ-साथ समाज को भी आत्मबन्ध करने की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और निष्पक्ष जांच के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सरकार की पहली प्राथमिकता घायल छात्राओं का बेहतर इलाज सुनिश्चित करना, उनकी सुरक्षा करना तथा उन्हें शीघ्र स्वस्थ कर पुनः शिक्षा से जोड़ना है। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि सरकार इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी, ताकि भविष्य में किसी भी बच्चे को ऐसी दर्दनाक और दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति का सामना न करना पड़े।



प्रदेश के मरीजों को मिल रहा सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं का लाभ : श्रीनिवास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारत सरकार के रसायन और उर्वरक मंत्रालय के औषध विभाग के सचिव मनोज जोशी ने राजस्थान मेडिकल सर्विस कॉरपोरेशन लिमिटेड (आरएमएससीएल) के माध्यम से रोगियों को सस्ती दर पर जीवन रक्षक दवाएं उपलब्ध कराने के लिए अपनाई जा रही खरीद प्रणाली की सराहना की है। उन्होंने कहा है कि इसके माध्यम से रोगियों को गुणवत्ता युक्त दवाएं कम कीमत पर उपलब्ध हो रही हैं। इससे उन पर आर्थिक भार कम हुआ है।

जोशी ने शनिवार को शासन सचिवालय में मुख्य सचिव बी. श्रीनिवास एवं आरएमएससीएल के अधिकारियों के साथ बैठक में दवाओं की खरीद, गुणवत्ता नियंत्रण एवं वितरण व्यवस्था पर चर्चा की। बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को सस्ती, सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिला अस्पतालों से

लेकर उप-स्वास्थ्य केंद्रों तक प्रत्येक स्तर पर आवश्यक दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है, ताकि आमजन को समय पर उपचार मिल सके।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बताया कि आरएमएससीएल के माध्यम से दवा वितरण केंद्रों पर बाजार भाव की तुलना में कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और प्रतिदिन 19 हजार केंद्रों पर लगभग 3.60 लाख लोगों को दवाई उपलब्ध करवाई जाती है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रभावी प्रयासों का ही परिणाम है कि औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली (उच्चउच्च) के केंद्रीय डैशबोर्ड पर मई माह के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है।

आरएमएससीएल के प्रबंध निदेशक पुष्कराज सैन ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से दवाओं एवं चिकित्सा उपकरणों की खरीद प्रक्रिया, भंडारण, बाजार दरों से तुलना तथा गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि औषधियों एवं चिकित्सा उपकरणों की गुणवत्ता

सुनिश्चित करने के लिए जारी करने से पहले द्विस्तरीय गुणवत्ता परीक्षण (डबल-लेयर्ड क्वालिटी कंट्रोल) किया जाता है। औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं का चयन कंप्यूटरीकृत रैंडम प्रणाली से किया जाता है तथा सभी जैविक (बायोलॉजिकल) उत्पादों के लिए एनआईडी (छखड़) परीक्षण अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि पैललबुद्ध औषधि परीक्षण प्रयोगशालाओं का नियमित निरीक्षण भी किया जाता है। गुणवत्ता की सतत निगरानी के लिए इन प्रयोगशालाओं द्वारा जांचे गए औषधि नमूनों में से 10 प्रतिशत नमूनों का रैंडम रूप से पुनः परीक्षण कराया जाता है, जिससे दवाओं की गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित हो सके।

बैठक में वित्त (व्यय) विभाग की शासन सचिव श्रीमती टीना सोनी, चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त बाबूलाल गोयल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के मिशन निदेशक डॉ. रविप्रकाश, चिकित्सा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा केंद्र सरकार के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्राकृतिक खेती के साथ आधुनिक तकनीक एवं नवाचारों से उत्पादन और आय बढ़ाएं किसान : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

डेगाना/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान का जीवन संघर्ष और परिश्रम से भरा होता है। वह विपरीत परिस्थितियों और प्राकृतिक चुनौतियों के बावजूद भी हार नहीं मानता है और हर बार नई उम्मीद के साथ खेती करता है। ऐसे में किसान को समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाकर ही देश और प्रदेश का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। इसी सोच के अनुरूप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश के कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण एवं व्यापक परिवर्तन हुए हैं मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को डेगाना के तिलानेश गांव में आयोजित ग्राम विकास चौपाल में किसानों, पशुपालकों एवं युवाओं के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की चिंता करने की परंपरा को पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह और पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी ने मजबूती दी थी।



बरलूट में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं राज्य में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आह्वान पर चलाए जा रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत शनिवार को सिरोंही जिले में बरलूट स्थित राजकीय विद्यालय परिसर में सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में राज्य के पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटाराम देवासी तथा जालौरसिरोही सांसद लुब्धामजी चौधरी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यमंत्री देवासी ने कहा कि प्रकृति का संरक्षण प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण का संकल्प है। प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी नियमित देखभाल भी करें, तभी यह अभियान सफल होगा।

सांसद चौधरी ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। प्रधानमंत्री द्वारा प्रारंभ किया गया यह अभियान जनभागीदारी का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनके संरक्षण का आह्वान किया। पर्यावरण संरक्षण समाज के प्रत्येक व्यक्ति का नैतिक दायित्व है। सभी को ऐसे जनहितकारी अभियानों में बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागौर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नागौर के तिलानेश गांव में रात्रि विश्राम के बाद शनिवार सुबह प्रातः भ्रमण किया। मुख्यमंत्री ने गांव की गलियों, खेतों और सार्वजनिक स्थलों पर पहुंचकर ग्रामीणों से सहज और आत्मीय संवाद किया तथा उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को गंभीरता से सुना। मुख्यमंत्री सबसे पहले खेतों में पहुंचे, जहां उन्होंने किसानों के साथ फसलों का अवलोकन किया। उन्होंने खेती की वर्तमान स्थिति, उपज, सिंचाई व्यवस्था, कृषि लागत और किसानों के समक्ष आने वाली चुनौतियों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने स्वयं खेत में किसानों के साथ निचाई-गुड़ाई की। उन्होंने किसानों को उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाने, उन्नत एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा राज्य और केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके प्रभाव का कीडबैक भी प्राप्त किया।



प्रातः भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री गांव की गलियों में पैदल पहुंचे और घर-घर जाकर ग्रामीणों से मिले।

उन्होंने महिलाओं से स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, आजीविका एवं राजीविका गतिविधियों पर चर्चा की। युवाओं से शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों को लेकर संवाद किया। बुजुर्गों से सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलने की

जानकारी ली, इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों को स्नेहपूर्वक दुलार कर चॉकलेट वितरित की और उनकी पढ़ाई तथा भविष्य की आकांक्षाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह और उल्लास देखने को मिला। प्रातः भ्रमण के दौरान विभिन्न स्थानों पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि गांवों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में सहकारिता की शाखा स्थापित कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा रहा है, जबकि राजीविका के माध्यम से लाखों महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनकर परिवार और समाज में नई पहचान स्थापित कर रही हैं।

जश्न



राजस्थान के बीकानेर में शनिवार को नीट परीक्षा पास करने और ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में दाखिला मिलने की खुशी में पारंपरिक परिधानों में जश्न मनाते छात्र।

सोनम वांगचुक मामले पर टीकाराम जुली का तंज, 'तानाशाही से आंदोलन खत्म करना चाह रही सरकार'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जुली ने सोनम वांगचुक के आंदोलन का जिक्र करते हुए कहा कि सरकार ने करीब 20 दिनों तक प्रदर्शनकारियों से संवाद स्थापित करने का कोई प्रयास नहीं किया। अब तानाशाहीपूर्ण रवैया से आंदोलन को खत्म करना चाहती है। इस तरह सरकार को नहीं करना चाहिए। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष के नेता टीकाराम जुली ने आईएनएस से बात करते हुए कहा कि न तो कोई मंत्री, न भाजपा का कोई पदाधिकारी और न ही कोई सरकारी अधिकारी वांगचुक से मिलने पहुंचा। जब उनकी तबीयत को लेकर देश-विदेश में चिंता बढ़ी और जनता का दबाव बना, तब सरकार ने उन्हें प्रदर्शन स्थल से हटाकर अलोकतांत्रिक और तानाशाहीपूर्ण रवैया अपनाया।

सुविचार

सकारात्मक सोच जीवन की शक्ति है। नकारात्मकता से दूरी रखें। हर परिस्थिति में अच्छाई खोजें, आत्मविश्वास बनाए रखें, रास्ते आसान लगेंगे।

कहानी

मीरा सीकरी

उसने सोचा, घंटी बजाने की क्या जरूरत है?...छत पर ही तो लोहड़ी जलायी होगी...वह सीधा ऊपर छत पर ही पहुंच जाती हैं-सबको वहीं तो होना चाहिए...पन्द्रह दिनों से वह यहाँ आना-आना कर रही थी...पर अब, जबकि कल-परसों तक उन्हें पाकिस्तान लौट जाना है-वह अपने को रोक नहीं सकी थी। उसने सोचा, वह मिलेगी तो जरूर, देखेंगी तो सही कि शान्ति बहनजी कैसी दिखती हैं अब? दिखने शब्द से उसे अपने पर ही हंसी आ गयी। पचास की तो वह खुद होने को आयी-वह तो उससे दस-बारह साल बड़ी होंगी। इस उम्र में क्या दिखना-हां, मिलना कहे तो बात समझ में आती है।

चौतले की छत पर वह पहुंच गयी, पर उसकी सांस बुरी तरह फूल रही थी। छत पर म्यूजिक लगा हुआ था। घर के बच्चे और शायद उनके दोस्त-यात्र झूमझूम रहे थे। बीचोबीच तसले में आग जल रही थी...कोई कुर्सी हो तो बैठ जाए वह। उसे लगा, उसे बुरी तरह से चक्कर आ रहा है। वह बिना किसी की परवाह किये आखिरी सीढ़ी पर ही बैठ गयी। किसी बच्चे ने उसे धम्म से बैठते देख गोल्ू को कहा होगा, तो गोल्ू उसके पास आकर पूछ रहा था, ''क्या हुआ, मौसी?''''कुछ नहीं, दो घूंट पानी पिला दे, बेटा!'' पानी पीकर वह अपने को नियंत्रित कर चुकी थी, हँफनी रुक गयी थी।

आखिर एक सांस में चढ़ने की क्या जरूरत थी उसे? उसने सोचा, वह अब एक अंधेड़ महिला है, छोकरी नहीं। जरूर शान्ति बहन जी से मिलने की उत्सुकता थी, जो अपने-आपको भी इस तरह भूल गयी। पूरी तरह से अपने पर काबू पा लेने के बाद उसने गोल्ू से पूछा, ''शान्ति बहन जी कहाँ हैं?''''वे सब तो नीचे ही हैं, मौसी। शान्ति मौसी को तो आग से बहुत डर लगता है। वह तो ऊपर आयी ही नहीं। आपको नीचे छोड़ आऊँ ?'' गोल्ू ने पूछा।

''नहीं-नहीं, मैं चली जाऊँगी।'' उसने कहा। दो मिनट वहीं और बैठकर वह नीचे उतरी। ड्राइंग रूम इनका फर्स्ट फ्लोर पर है-दोतले उसे उतरने थे, पर उतरना इतना मुश्किल नहीं, जितना चढ़ना होता है।

ड्राइंग रूम का दरवाजा खुला ही था, पर ड्राइंग रूम में कोई दिखाई नहीं दे रहा था। भीतर जाकर अच्छी तरह से देखने पर कोने में एक महिला बेटी दिखाई दी।

''इन्हें तो कहीं देखा लगता है।'' उसे ऐसा लग रहा था-''कहीं?'' और अचानक उसके दिमाग में कौंधा-''अरे, यही तो पिछले रविवार लेंखिका संघ की बैठक में 'आइडेंटिटी ऑफ युमन' पर बोले रही थी। वह थोड़ी देर से बैठक (गोष्ठी) में पहुंची थी। उनका नाम नहीं सुना था उसने। तो क्या यह शान्ति बहन जी ही हैं?'' उसने तो सोचा था, 'कोई गोष्ठी-चिट्ठी, मोटी, लटकी हुई काया वाली मुसलमानी बुढ़िया होगी, पर यह तो पतली-दुबली नफालत में भरी, आत्मलौक, बौद्धिक प्रभाव छावलों, कमनीय, शान्त-सी महिला हैं...' उन्हें देखते हुए वह वहीं-की-वहीं खड़ी रह गयी। उन्होंने भी उसे वहीं खड़ी देख लिया था, इसलिए बोलीं-''आइए, आइए! पुष्पा शायद किचन में कुछ काम कर रही है... मैं उसकी मौसैरी बहिन हूँ शान्ति।'' शान्ति' सुन शान्ति-सी पड़ गयी उसे, नाम सुनने के लिए उसकी सारी काया ही कर्णमय हो रही थी। 'महिला संघ में आप...?' उसने अधुरा ही वाक्य छोड़ा।

''हां, मैं ही थी।'' पर निमन्त्रण-पत्र में तो आपका नाम...?' उसे दो नाम याद आ रहे थे-फहमीदा रियाज या तसलीमा नसरीन जैसे।

पर शान्ति बहनजी उसकी जिज्ञासा को भाँप गयी थी। उन्होंने अत्यन्त सहजता से कहा, ''एस. अहमद-वहां पाकिस्तान में यानी लाहौर में यही हूँ न मैं।'' शान्ति बहनजी, '' कहते हुए वह आगे बढ़ी पर उसकी सम्भावना के अनुकूल न तो उन्होंने उसे गले लगाया, न मुसलमानी बुढ़िया की तरह उसे 'मेरी जिंद (जान), मेरी चन्न (बाँदनी)' कहा, बस अपने हाथ में उसका हाथ पकड़ लिया। बहुत देर तक वह ऐसे ही हाथ पकड़े बैठी रहीं।

वर्षों पहले, शायद पूर्वजन्म में, ऐसे ही एक दिन वह उसका हाथ पकड़कर उसे थड़े (चबूतर)

रिया के पिता राजेश अपनी बेटी को खोने से इस तरह टूट गए कि उन्हें देखने वाले हर व्यक्ति की आंखों में आंसू आ गए। यह सर्फ एक परिवार का दर्द नहीं है। पेपर लीक ने ऐसे कई परिवारों से बच्चे छीन लिए हैं। हर नाम के पीछे एक माँ, एक पिता हैजिनके लिए अब कोई कल नहीं है।

-राहुल गांधी



मैसूर राज्य के आखिरी महाराजा और हमारी धरती के पहले गवर्नर श्री जयचामाराजेंद्र वाडियार के जन्मदिन पर उन्हें सादर नमन।कला, साहित्य और संगीत में उनका योगदान हमेशा अमर रहेगा। उनके आदर्श हमेशा हमारी धरती के लिए प्रेरणा हैं।

-डीके शिवकुमार



संजय उवाच

■ संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com



इनबिल्ट

अपने दैनिक पूजा-पाठ में या जब कभी मंदिर जाते हो, सामान्यतः याचक बनकर ईश्वर के आगे खड़ा होते हो। कभी धन, कभी स्वास्थ्य, कभी परिवार में सुख-शांति, कभी बच्चों की प्रगति तो कभी...,, कभी की सूची लंबी है, बहुत लंबी। लेकिन कभी विचार किया कि दाता ने सारा कुछ, सब कुछ पहले ही दे रखा है। 'जो पिंड में, सोई बिरमांड में।' उससे अलग क्या मांग लोगें? स्वामी विवेकानंद ने कहा था कि ब्रह्मांड की सारी शक्तियाँ पहले से हमारे भीतर हैं। अपनी आँखों को अपने ही हाथों से ढककर हम 'अंधकार, अंधकार' चिन्नाते हैं। कितना गहन पर कितना सरल वक्तव्य है। 'एवरीथिंग इज इनबिल्ट'...तुम रोज मांगते हो, वह रोज मुरकारता है।

एक भोला भंडारी भगवान से रोज लॉटरी खुलवाने की गुहार लगाता था। एक दिन भगवान ने स्वप्न में दर्शन देकर कहा, 'बावरे! पहले लॉटरी का टिकट तो खरीद।'।

तुम्हारा कर्म, तुम्हारा परिश्रम, तुम्हारा टिकट है। ये लॉटरी नहीं जो किसी को लगे, किसी को न लगे। इसमें परिणाम मिलना निश्चित है। हाँ, परिणाम कभी जल्दी, कभी कुछ देर से आ सकता है।

उपदेशक से समस्या का समाधान पाने के लिए उसके पीछे या उसके बताए मार्ग पर चलना होता है। उपदेशक के पास समस्या का सर्वसाधारण हल है। राजा और रंक के लिए, कुटिल और संत के लिए, बुद्धिमान और नादान के लिए, मरियल और पहलवान के लिए एक ही हल है।

समुपदेशक की स्थिति भिन्न है। समुपदेशक तुम्हारी आंतरिक प्रेरणा को जाग्रत करता है। यह प्रेरणा बताती है कि अपनी समस्या का हल तलाशने का सामर्थ्य तुम्हारे भीतर है। तुम्हें अपने तरीके से अपना प्रमेय हल करना है। प्रमेय भले एक हो, हल करने का तरीका प्रत्येक की अपनी दैहिक, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक स्थिति पर निर्भर करता है।

समुपदेशक तुम्हारे इनबिल्ट को एक्टिवेट करने में सहायता करता है। ईश्वर से मत कहो कि मुझे फलां दो। कहो कि हे प्रभो, फलां हासिल करने की मेरी शक्ति को जाग्रत करने में सहायक हो। जिसने ईश्वर को समुपदेशक बना लिया, उसने भीतर के ब्रह्म को जगा लिया....और ब्रह्मांड में ब्रह्म से बड़ा क्या है?

बोध कथा

परियाँ बनी तितलियाँ

एक बार की बात है। परिस्तान की सात सुंदर परियाँ धरती की सैर पर निकलीं। परिस्तान एक ऐसा स्थान है जहाँ केवल परियाँ, जादू और खुशियाँ ही रहती हैं। वहाँ न दुख होता है, न रोना, न शो। लेकिन धरती की सुंदरता की बातें परियाँ अक्सर सुना करती थीं। इस बार उन्होंने सोचा, चलो धरती की सैर करें! वे सातों परियाँ धरती पर उतर आईं। जैसे ही उन्होंने धरती को देखा, वे हैरान रह गईं। चारों तरफ हरियाली थी। बड़े-बड़े पेड़, रंग-बिरंगे फूलों से सजे बाग, कल-कल करते झरने, नीला आसमान, पहाड़ों की चोटियाँ, और खुले खेतों में लहराते सोने जैसे गेहूँ धरती सचमुच बहुत सुंदर थी। जहाँ भी उनकी नजर पड़ी, उन्हें कुछ नया, कुछ अनोखा देखने को मिला। पशु कूदते-फाँवते इधर-उधर दौड़ रहे थे, पक्षी मधुर गीत गा रहे थे, और आसमान में बादल धीरे-धीरे उड़ रहे थे।

परियों को सबसे ज्यादा सुंदर लगा एक बगीचा। वहाँ के फूल इतने रंगीन और खुशबूदार थे कि परियाँ उन्हें देखते ही रह गईं। उनके चारों ओर रंग-बिरंगी तितलियाँ उड़ रही थीं। उन तितलियों को देखकर परियों का भी खेलने का मन हो गया। परियों ने एक जादू किया और खुद को तितलियों में बदल लिया। अब वे भी रंग-बिरंगी पंखों वाली तितलियाँ बन चुकी थीं। कोई नीली, कोई लाल, कोई पीली, कोई हरी! वे फूलों पर बैठतीं, फिर उड़ जातीं, कभी गुनगुनातीं, कभी झुले जैसी परियों पर झूल जातीं। हर दिन वे उस बगीचे में आकर तितलियाँ बन जातीं और खेलती रहतीं। वह उनका रोज का काम बन गया था धरती पर आओ, तितली बनो, खेलो और गुनगुनाओ।

एक दिन की बात है। बगीचे में एक छोटा सा बच्चा आया, जिसका नाम हरजोध था। वह बहुत प्यारा और जिज्ञासु बच्चा था। वह फूलों के बीच खेल रहा था, तभी उसकी नजर एक खास तितली पर पड़ी। यह वही तितली थी, जो असल में परी थी सबसे सुंदर, सबसे चमकीले पंखों वाली! हरजोध ने बिना सोचे समझे झट से उसे पकड़ लिया। तितली-परी को बहुत डर लगा। वह सोचने लगी, अगर हरजोध ने मुझे कभी नहीं छोड़ा, तो मैं परियों के देश कैसे लौट पाऊँगी? पर वो कुछ कह नहीं सकती थी वो तो अभी तितली के रूप में थी। लेकिन हरजोध को ऐसा लगा जैसे तितली कुछ कह रही हो, जैसे उसकी आँखों में एक खास बात हो। उसने तितली को ध्यान से देखा और बोला, क्या तुम आज़ाद होना चाहती हो? तितली ने पंख धीरे से फड़फड़ाए, जैसे हाँ कह रही हो। हरजोध को समझ आ गया कि इस सुंदर तितली को उड़ना पसंद है। वह मुस्कराया और बोला, जा तितली, उड़ जा। तुम्हें आज़ाद रहना चाहिए। जैसे ही उसने तितली को छोड़ा, तितली फौरन उड़ गई, पर थोड़ी देर बाद उसने हवा में एक गोल चमकदार गोला बनाया, जो धीरे-धीरे आसमान में गायब हो गया।

उसी रात हरजोध को एक बहुत ही सुंदर सपना आया। उसके सामने वही तितली आई, लेकिन अब वह तितली नहीं, परी पनी बन चुकी थी! उसके लंबे बाल, चमकदार पंख और मुस्कराता चेहरा देखकर हरजोध बहुत खुश हुआ। परी ने मुस्कराकर कहा, हरजोध, तुमने मुझे आज़ाद किया, इसलिए मैं तुम्हें एक खास तोहफा देने आई हूँ। पलक झपकते ही परी ने अपने जादू से हरजोध को हवा में उड़ाया, और वे दोनों एक चमकदार रास्ते पर उड़ते हुए परियों की दुनिया परिस्तान पहुँच गए। वहाँ सब कुछ चमक रहा था। रंग-बिरंगे फूल, झीलों का मीठा पानी, और चारों ओर उड़ती परियाँ। परी ने हरजोध को वहाँ के फल खाने को दिए, जैसे मीठे आम, रस भरे अनानास, और जादुई सेब, जिनका स्वाद उसने पहले कभी नहीं चखा था। फिर परी ने एक प्याले में दूध दिया, जो बिल्कुल सफेद और झिलमिलता था। हरजोध ने जैसे ही एक घूंट पिया, उसे लगा जैसे वह उड़ने लगा हो। वो दूध सचमुच अमृत जैसा था। हरजोध वहाँ बहुत देर तक खेला, नाचा, गाया और परियों से दोस्ती की। फिर परी ने कहा, अब तुम्हें वापस जाना होगा, लेकिन याद रखना, जब भी तुम किसी को आज़ाद करोगे, किसी की मदद करोगे, हम परियाँ तुम्हारे साथ होंगी।



वीर गाथा

नायक देवेन्द्र प्रताप सिंह : गोलीबारी के बीच अडिग रहकर दो आतंकवादियों को किया ढेर

नायक देवेन्द्र प्रताप सिंह का जन्म उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के नेवादा गांव में हुआ था। माता उर्मिला देवी और पिता इंद्र बहादुर सिंह के बेटे देवेन्द्र राष्ट्रीय राइफल्स की 55वीं बटालियन के वीर योद्धा हैं। वे जनवरी 2022 में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में तैनात थे। 29 जनवरी की दोपहर को खुफिया सूत्रों से सूचना मिली कि एक गांव में कुछ आतंकवादी छिपे हुए हैं। उनकी घेराबंदी और खाल्ना करने के लिए टीम बनाई गई, जिसमें देवेन्द्र को भी शामिल किया गया।

अभी सेना के जवान तलाशी अभियान

चला ही रहे थे कि आधुनिक अर्साल्ट राइफलों से लैस चार आतंकवादियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी की। नायक देवेन्द्र प्रताप सिंह ने बिना एक क्षण गंवाए तुरंत जवाब दिया। इससे आतंकवादियों के कदम वहीं रुक गए।

दोनों ओर से लगातार गोलीबारी हो रही थी। उस समय देवेन्द्र रेंगते हुए आगे बढ़े और उस ठिकाने तक पहुंच गए, जहां आतंकवादी छिपे हुए थे। देवेन्द्र की उन पर कड़ी नजर थी। आतंकवादियों ने भारी गोलीबारी की। वे ग्रेनेड फेंकते हुए बाहर निकले। उनका सामना देवेन्द्र से हो गया।

नायक देवेन्द्र प्रताप सिंह ने तुरंत गोली चलाई और आतंकवादी को वहीं ढेर कर दिया। इस बीच दूसरा आतंकवादी रास्ता बदलकर भागने की कोशिश कर रहा था। देवेन्द्र ने उसे भी निशाने पर लिया। कुछ समय बाद उसे धराशायी कर दिया। मारे गए दोनों शख्स क्रमशः 'ए प्लस प्लस' और 'सी' श्रेणी के खतरनाक आतंकवादी थे। देवेन्द्र ने अपने कर्तव्य पथ पर अदम्य साहस का प्रदर्शन करते हुए दो आतंकवादियों का खाल्ना किया। देश को ऐसे योद्धाओं पर गर्व है। नायक देवेन्द्र प्रताप सिंह को 'कीर्ति चक्र' से सम्मानित किया गया।



पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (बैंकाद्वि, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिपक्षता या घनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उपायों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकाना को पाठक किसी भी रूप में उत्तरवादी नहीं बना सकता।

- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

महत्त्वपूर्ण

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , 1st floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-580052. Editor-Shreekanth Parashar, (Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026

